एकांश-लेखन तथा एकांश-विश्लेषण
ITEM WRITING AND ITEM ANALYSIS

B.A-III
VII

पिछले कक्षा में हमलोगों ने शैक्षणिकताओं के द्वारा विभिन्न सिद्धांतों एवं विधियों के बारे जाना और आगे :—

एकांश-विश्लेषण (Item-Analysis) :—

सामान्यतः किसी परीक्षण-एकांश की विश्वसनीयता तथा वैधता के मूल्यांकन करने की प्रक्रिया को एकांश विश्लेषण कहते हैं।

मनोवैज्ञानिकों ने एकांश विश्लेषण को दो अर्थों में परिभाषित किया है :—

(क) संकुचित अर्थ (Narrow Sense) में एकांश विश्लेषण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा किसी परीक्षण-एकांश की विभेदन क्षमता को निर्धारित किया जाता है। गैरेट के अनुसार, "एकांश विश्लेषण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा यह निर्धारित किया जाता है कि किसी परीक्षण-एकांश में कितनी विभेदन क्षमता है अर्थात क्या यह उच्च तथा निम्न समूहों के बीच अंतर का पता है अथवा क्या सम्पूर्ण अंक के साथ इसका उच्च सहसंबंध है।

रेबर तथा रेबर (Reber and Reber-2001) ने गैरेट का समर्थन किया है और कहा है कि "संकुचित अर्थ में एकांश-विश्लेषण का तात्पर्य उस मूल्यांकन से है जिससे यह पता चलता है कि प्रत्येक एकांश कितनी प्रभावशीलता के साथ परीक्षण की सम्पूर्ण वैधता में योगदान देता है।"

(२) व्यापक अर्थ (Broader Sense) में किसी एकांश की विशेषताओं जैसे — एकांश का कठिनता-स्तर, अस्पष्टता, स्पष्टता, विभेदन शक्ति आदि को निर्धारित करने की प्रक्रिया को एकांश-विश्लेषण कहते हैं।

चैपलिन (Chaplin-1975) के अनुसार, "व्यापक रूप में एकांश-विश्लेषण का तात्पर्य किसी एकांश विशेषता यथा कठिनता, अस्पष्टता-स्तर, समय-सीमा आदि के निर्धारण से है।"

रेबर तथा रेबर (Rebar & Rebar-2001) के अनुसार, "व्यापक रूप में एकांश-विश्लेषण का तात्पर्य उन सभी विश्लेषणों से है जिनका संबंध एकांश अस्पष्टता, समय, चटक आदि से है।"

मरफी तथा डेविडशोफर (Murphy & Davidshofer-1988) के शब्दों में, "एकांश-विश्लेषण का तात्पर्य सांख्यिकी के उस यथार्थ रूप से संरचित समूह से है जिसका परिकलन परीक्षण के प्रत्येक एकांश के लिए किया जा सकता है।"

वर्तमान समय में एकांश-विश्लेषण का व्यवहार संकुचित तथा विस्तृत दोनों अर्थों में किया जाता है। लेकिन व्यापक या विस्तृत अर्थ में इसे परिभाषित करना व्यवहारिक दृष्टिकोण से अधिक युक्तिसंगत है।

एकांश-विश्लेषण के उद्देश्य (Purpose of Item Analysis) :— मरफी एवं डेविडशॉफर (Murphy & Davidshofer, 1988) ने एकांश विश्लेषण के उद्देश्यों को तीन भागों में बाँटा है।

1. आसेधक विश्लेषण (Distractor analysis) :— एकांश-विश्लेषण का एक मुख्य उद्देश्य आसेधक विश्लेषण है। इसका अर्थ यह निर्धारित करना है कि किसी परीक्षण के प्रत्येक एकांश के प्रति उत्तरदाताओं या परीक्षार्थियों की प्रतिक्रियाओं का सम्पूर्ण प्रतिरूप का स्वरूप क्या है। जैसे— मान लें कि किसी एकांश या प्रश्न के चार विकल्प उत्तर क, ख, ग तथा घ हैं जिनमें एक उत्तर - ग सही है और शेष उत्तर गलत हैं। इन्हें आसेधक कहते हैं।

2. एकांश-कठिनता विश्लेषण (Item difficulty analysis)- एकांश विश्लेषण का दूसरा मुख्य उद्देश्य परीक्षण के प्रत्येक एकांश के कठिनता-स्तर का विश्लेषण करना। जैसे — यदि किसी एकांश का सही उत्तर 100 उत्तरदाताओं में कोई नहीं दे पाता है तो उस एकांश को अत्यधिक कठिन एकांश माना जाता है।

3. एकांश-विभेदन विश्लेषण (Item discrimination analysis) इसका तीसरा उद्देश्य किसी एकांश की विभेदन-शक्ति का विश्लेषण करना। इसके विश्लेषण से इस बात का पता चलता है कि किसी एक के द्वारा की प्रतिक्रिया, दूसरे के प्रति दी गई प्रतिक्रिया से कैसे संबंधित है।

next day